(3) विदेशों में हिंदी का प्रचार, वर्ष 1994–95 के दौरान, सरकार ने 41 विदेशी छात्रों को इस योजना के अंतर्गत केन्द्रीय हिंदी संस्थान के आगरा स्थित मुख्यालय में हिन्दी अध्ययन के लिए छात्रवृत्तियां प्रदान की गई । विदेशी छात्रों के लिए एक सामासिक हिंदी पाठ्यक्रम, संस्थान के दिल्ली केन्द्र में भी आयोजित किया गया जिसमें 45 विदेशी छात्रों ने भाग लिया ।

(4) विश्वविद्यालय की पाठ्य पुस्तकों का हिन्दी तथा क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशन वर्ष 1994–95 के दौरान राज्य पाठ्य पुस्तक बोर्डों, अकादमियों/विश्वविद्यालयों को विश्वविद्यालय स्तर की पाठ्यपुस्तकों के हिन्दी तथा क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशन के लिए 14 लाख रुपए संस्वीकृत किए गए ।

(5) पत्राचार पाठ्यक्रमों, द्विभाषी तथा त्रि-भाषी शब्दकोशों के उत्पादन इत्यादि के माध्यम से हिंदी का सम्पर्क भाषा के रूप में विकास । वर्ष 1994–95 के दौरान 15164 व्यक्तियों को अंग्रजी, तमिल, मलयालम तथा बंगला भाषाओं के माध्यम से पत्राचार पाठ्यक्रमों के द्वारा हिंदी पढ़ाई गई । तदनन्तर, कई हिन्दी आधारित द्विभाषी शब्दकोश, त्रिभाषी शब्द कोश तथा एक बहुभाषी शब्द कोश प्रकाशित किए गए ।

(6) हिंदी तथा क्षेत्रीय भाषाओं में वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली का विकास अब तक विभिन्न विषयों के 5.5 लाख शब्दों का निर्माण तथा प्रकाशन किया गया ।

(7) गैर हिंदी भाषी राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में सेवारत शिक्षकों के लिए हिंदी में प्रशिक्षण प्रदान करना । वर्ष 1994–95 के दौरान, गैर हिंदी भाषी राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में प्रशिक्षण के लिए नियुक्ति 139 सेवारत हिंदी शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया ।

Assistance to Karnataka under non-formal education schemes

8419. SHRI K. RAHMAN KHAN: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) what are the projects under non-formal education scheme for which Government provided assistance to States;

(b) whether Karnataka has not been provided with any assistance under this scheme from 1989-90 on wards; and

(c) whether Government will con sider providing assistance to Karna taka under non-formal education schemes?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (KM. SELJA): (a) to (c) The scheme of Non-Formal Education (NFE) covers the ten enducationally backward States, namely, Andhra Pradesh, Arunachal Pradesh, Assam, Bihar, Jammu and Kashmir, Madhya Pradesh, Orissa, Rajasthan, U.P. and West Bengal. The scheme also covers urban slums, hilly, tribal & desert areas and projects for education of working children in States other than the educationally backward States. Central asistance is provided both to States/ U.T. Governments as well as to oluntary organisations. As on date. Central Assistance has been provided for 1660 NFE Centres being operated by 8 voluntary organisations in Karnataka. Proposals conforming to parameters of the programme are eligible for assistance.

Working womens hostel in Karnataka

8420 SHRI K. RAHMAN KHAN: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the number of hostels for working women started in Karnataka, district-wise;

(b) what is the total intake capacity of the each hostel; and